गुजरात में कोयले की आपूर्ति

722. **श्री चिमनभाई हरि भाई शुक्ल:** क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गत तीन वर्षों के दौरान सरकार ने गुजरात को जिलावार कोयले की आपूर्ति उनकी मांग के अनुरूप की है;

(ख) आपूर्ति की तुलना में वास्तविक मांग कितनी थी :

(ग) यदि नहीं, तो इन जिलों की मांग की तुलना में कोयले की कम आपूर्ति करने के क्या कारण हैं

(घ) मांग को पूरा करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है यदि इस संबंध में कोई कदम उठाए जाने का विचार नहीं है तो इसके क्या कारण है ; और

(ङ) क्या सरकार ने वर्ष 1994–95 के लिए राज्य को जिलावार कोयले का आवंटन करने का कोई प्रस्ताव किया है ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) से (ङ) कोयले की आवश्यकताओं का संपूर्ण देश में उद्योग/क्षेत्रवार मूल्यांकन किया जाता है । इनका मूल्यांकन राज्यवार अथवा जिला-वार नहीं किया जाता है । कोल इंडिया लि. (को०इ० लि०) सम्बद्ध प्रयोजक प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रायोजन के अनुसार उपभोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम के आधार पर कोयले की आपूर्ति करती है । विद्युत तथा सीमेंट यूनिटों को कोयल की आपूर्ति स्थायी संयोजन समिति, द्वारा अल्पावधि संयोजन के आधार पर की जाती है, जोकि इन क्षेत्रों के लिए नियुक्त की जाती है । कोयले का जिलावार आवंटन किए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

कोलइंडिया लि० से गुजरात के कोयला उपभोक्ताओं को कोयले का प्रेषण किए जाने के मामले में निरन्तर वृद्धि हो रही है जोकि नीचे दिए गए आंकड़ों से प्रदर्शित होती है :

('000 टन में)

1990–91 . .	14655
1991–92 . .	15179
1992–93 .	15320
1993–94 . .	15815

को०इ०लि०वर्तमान में, साफ्ट कोक/हार्ड कोक को छोड़कर गुजरात की अकोककर कोयले की संपूर्ण मांग को लगभग पूरा किए जाने की स्थिति में है । कई कोलियरियों से कोयले की उदारीकृत बिक्री योजना के अंतर्गत पेशकश की जा रही है । इस योजना के अंतर्गत कोयले की आपूर्ति थोक व्यापारियों तथा लघु व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है, जोकि लघु तथा मध्यम उपभोक्ताओं की मांग पूरी करते है ।

Shortages in Coal India Ltd.

723. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to a news item published in the 'Sunday Observer' in its issue dated 14th August, 1994 under the caption "Unexplained shortages may make mince meat of Coal India profit; and

(b) if so, the reaction of Government thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) Yes, Sir. The news item basically deals with the impact of some alleged coal stock shortages on the published profits of Coal India Limited (CIL).